Shri Manubhai Shah: On our side, it is Rs. 2 lakhs a year plus certain Indian costs which will be borne from year to year.

मंगला बांध

*११०१. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि समाचारपत्रों में यह समाचार निकला है कि मंगला बांध बनाने के लिये पाकिस्तान ने विदेशों से टेंडर मांगे हैं और अक्तूबर में वह उस पर निर्णय भी करेगा;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस की वास्तविकता जानने का प्रयत्न किया है; और

(ग) अब तक सुरक्षा परिषद को इस सम्बन्ध में भेजे गये विरोध-पत्रों का क्या परिणाम रहा ?

The Parliamentary Secretary to the Minister of External Affairs (Shri Sadath Ali Khan): (a) and (b). Yes, Sir, such reports have appeared in the Pakistan Press.

(c) Sir, the attention of the Honourable Member is drawn to Government's answer to unstarred question No. 1033 on November 30, 1960 in the Lok Sabha on this subject.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : ३० नवम्बर, सन् १९६० को इस प्रश्न का उत्तर दिया गया था उसमें कहा गया था कि हिन्दुस्तान की ओर से सुरक्षा परिषद् में कोई विरोध पत्र नहीं भेजा गया, और अभी, जैसा माननीय सभा सचिव जी ने बतलाया, उसका निर्माण कार्य जारी है। तो क्या कारण है कि इस बीच में सुरक्षा परिषद् से विरोध नहीं प्रकट किया गया ?

श्री सादत अली खां : तीन बार हमने इस मामले में सिक्योरिटी कौंसिल के सामने प्रोटेस्ट किया है, और हमारी यह सारी प्रोटेस्ट्स यूनाइटेड नेशन्स के जो दूसरे मेम्बर्स वहां पर थे उनके पास सर्कुलेट हुई। इससे ज्यादा तो कोई ऐसी बात हमें मालूम नहीं है जिस पर गौर किया जाय।

(تین بار ہم نے اس معاملہ میں سکیورٹی کونسل کے سامنے پروٹیسٹ کیا ہے۔ اور ہماری یہ ساری پروٹیسٹس یونائیٹڈ نیشن کے جو دوسرے ممبرس وہاں پر تھے ان کے پاس سرکولیٹ ہوئیں اس سے زیادہ تو کوئی ایسی بات ہمیں معلوم نہیں ہے جس پر غور کیا جائے۔)

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि भारत सरकार सुरक्षा परिषद् को विरोध पत्र भेजते भेजते इतनी थक गई है कि अब कोई और विरोध पत्र नहीं भेजना चाहती है ? और यदि नहीं भेजना चाहती है, तो क्यों ?

श्री सादत अली खां : थकने का सवाल नहीं है। सारा काम जो पाकिस्तान की तरफ से हो रहा है वह इल्लीगल है, और पोजीशन यह है कि वह टेरिटरी हमारी है। हम उसे हासिल करेंगे सुलह से, अमन से। वहां जो कुछ वह कर रहे हैं अब तक वह सब गलत कर रहे हैं।

(تھکنے کا سوال نہیں ہے سارا کام جو پاکستان کی طرف سے ہو رہا ہے وہ اللیگل ہے۔ اور پوزیشن یہ ہے کہ وہ ٹیریٹری ہماری ہے۔ ہم اسے حاصل کریں گے صلح سے۔ امن سے۔ وہاں جو کچھ وہ کر رہے ہیں وہ سب غلط کر رہے ہیں۔)

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अभी माननीय सभा सचिव जी ने बतलाया कि हम उस को हासिल करेंगे, तो क्या जब बांध पूरा बन जायेगा उसके बाद हम उस को हासिल करने का प्रयत्न करेंगे ?

श्री सादत अली खां जिस तरीके से भी वह भक्त आयेगा, उसे किया जायेगा । हमारे प्रधान मन्त्री ने इस मसले पर कई बार हाउस में कहा है ।

(جس طریقہ سے بھی وہ وقت آئے گا - اسے کیا جائے گا - ہمارے پردھان منتری نے اس مسئلہ پر کئی بار ہاؤس میں کہا ہے -)

श्री अ० मु० तारिक पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी साहब ने फरमाया है कि वह हमारा इलाका है और हम उसे हासिल करेंगे । इस का तो मुझे पूरा भरोसा है । लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि इस बांध को बनाते बनाते जिन काश्मीरियों को बेघर किया गया है और जिन लोगों की जायदाद को मिस्मार किया गया है, उनकी जायदाद का मुआवजा दिलाने के लिये हुकूमत क्या कदम उठा रही है, और क्या इस सिलसिले में हुकूमत पाकिस्तान से कोई प्रोटेस्ट किया गया ?

(پارلیامینٹری سیکریٹری صاحب نے فرمایا ہے کہ وہ ہمارا علاقہ ہے اور ہم اسے حاصل کریں گے - اس کا تو مجھے پورا بھروسہ ہے - لیکن میں جاننا چاہتا ہوں کہ اس باندھ کو بناتے بناتے جن کاشمیریوں کو بے گھر کیا گیا ہے اور جن لوگوں کی جائداد کو مسمار کیا گیا ہے - ان کی جائداد کا معاوضہ دلانے کے لئے حکومت کیا قدم اٹھا رہی ہے -؟ اور کیا اس سلسلہ میں حکومت پاکستان سے کوئی پروٹیسٹ کیا گیا -)

श्री सादत अली खां : जो लोग भी वहां घर से बेघर हो रहे हैं वह पाकिस्तान का दर्द सिर है ।

(جو لوگ بھی وہاں گھر سے بے گھر ہو رہے ہیں وہ پاکستان کا درد سر ہے-)

श्री अ० मु० तारिक सवाल यह है कि वह हमारे बाशिन्दे हैं, वह हमारी सरजमीन है और वहां के लोगों को गोलियों से मारा गया है, उन को पकड़ा गया है और उन की चीज पर कब्जा किया गया है, उन की जायदादें जब्त की गई हैं ।

(سوال یہ ہے کہ وہ ہمارے باشندے ہیں - وہ ہماری سر زمین ہے اور وہاں کے لوگوں کو گولیوں سے مارا گیا ہے - ان کو پکڑا گیا ہے اور ان کی چیز پر قبضہ کیا گیا ہے - ان کی جائدادیں ضبط کی گئی ہیں-)

श्री सादत अली खां : अ ज यह इलाका हमारे कब्जे में नहीं है । जैसा मेरे लायक दोस्त जानते हैं जो लोग वहां पर हैं और उन पर जो मुसीबतें गुजर रही हैं उनसे हम वाकिफ हैं ।

(آج یہ علاقہ ہمارے قبضہ میں نہیں ہے - جیسا میرے لائق دوست جانتے ہیں جو لوگ وہاں پر ہیں اور ان پر جو مصیبتیں گزر رہی ہیں ان سے ہم واقف ہیں -)

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि यह बांध जहां पर बन रहा है, उसके लिये कितनी धरती एक्वायर की गई है, कितने गांवों को उजाड़ा गया है और कितने लोगों पर इसका प्रभाव पड़ा है ?

श्री सादत अली खां : मुझे इसका पता नहीं है । अकसर खबरें अखबारों से हमको यहां मिलती हैं ।

(مجھے اس کا پتہ نہیں ہے - اکثر خبریں اخباروں سے ہم کو یہاں ملتی ہیں -)

श्री अ० मु० तारिक : इस इलाके में अकवाम मुतहिदा के आबजर्वर हैं और उनका यह फर्ज है कि वे देखें कि लोगों पर जुल्म न हों, लोगों की जायदादें न छीनी जायें, हिन्दुस्तान के बाशिन्दों पर गोलियां न चलाई जायें । अगर ये सब वाकयात दुरुस्त हैं और लोगों पर गोलियां चलाई गई हैं, लोगों की जायदादें छीनी गई हैं तो हकूमते हिन्दुस्तान ने अकवाम मुतहिदा के साथ इस मसले पर क्या कार्यवाई की है और अकवाम मुतहिदा ने क्या जवाब दिया है ?

(اس علاقے میں اقوام متحدہ کے آبزرور ہیں اور ان کا یہ فرض ہے کہ وہ دیکھیں کہ لوگوں پر ظلم نہ ہوں - لوگوں کی جائدادیں نہ چھینی جائیں - ہندوستان کے باشندوں پر گولیاں نہ چلائی جائیں - اگر یہ سب واقعات درست ہیں اور لوگوں پر گولیاں چلائی گئی ہیں - لوگوں کی جائدادیں چھینی گئی ہیں تو حکومت ہندوستان نے اقوام متحدہ کے ساتھ اس مسئلہ پر کیا کاروائی کی ہے اور اقوام متحدہ نے کیا جواب دیا ہے -)

श्री सादत अली खां : मैंने अर्ज किया है कि तीन बार हमने अकवाम मुतहिदा का ध्यान इस तरफ दिलाया है । वहां जो आबजर्वर हैं वे सीज़ फायर लाइन की हिफाज़त के लिए हैं । मैं नहीं समझता हूं कि वहां के अन्दरूनी मामलात में वे दखल दे सकते हैं ।

(میں نے عرض کیا ہے کہ تین بار ہم نے اقوام متحدہ کا دھیان اس طرف دلایا ہے - وہاں جو آبزرور ہیں وہ سیز فائر لائن کی حفاظت کے لئے ہیں - میں نہیں سمجھتا ہوں کہ وہاں کے اندرونی معاملات میں وہ دخل دے سکتے ہیں -)

Retrenched Employees of the Rehabilitation Ministry

\+

*1106. { **Shri Aurobindo Ghosal:**
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **Rehabilitation and Minority Affairs** be pleased to state:

(a) whether any three-man committee of Secretaries has been set up for finding jobs for the retrenched employees of the Rehabilitation Ministry; and

(b) if so, how many employees have been provided with jobs so far since the formation of the Committee?

The Deputy Minister of Rehabilitation (Shri P. S. Naskar): (a) No such Committee has been appointed, but a decision was taken that every effort should be made for the re-absorption of the retrenched employees of the Ministry of Rehabilitation. Measures to implement this decision were to be worked out by Rehabili-